

#### **प्रसाधारण**

## EXTRAORDINARY

भाग II--लण्ड 3-उपलण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (il)

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 276]

नई विल्ली, चनिवार, जुन 12, 1976/ज्येष्ठ 22, 1898

No. 276]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 12, 1976/JYAISTHA 22, 1898

## इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के क्य में रक्षा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF LABOUR

#### ORDER

New Delhi, the 11th June 1976

S.O. 415(E).—Whereas in the opinion of the Central Government it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies and services essential to the life of the community;

And whereas any strike in the services in the State of Tamil Nadu connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply (including the works connected with the supply of electrical energy to the public, or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply, connected with the Neyveli Lignite Corporation Limited, Neyveli, in the State of Tamil Nadu) would prejudicially affect the maintenance of supplies and services essential to the life of the community it is necessary and expedient to prevent strikes in the said services;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 118 of the Defence and Internal Security of India Rules, 1971 the Central Government hereby prohibits any strike in connection with any industrial dispute in the said services for a period of six months with effect from the 12th June, 1976.

[No. S. 42011/5/76/DIA.]

T. S. SANKARAN, Jt. Secy.

### श्रम मंत्रालय

### मादेश

# नई दिल्ली 11 जून, 1976

का । चा • 415 (म) --- पतः केन्द्रीय सरकार की राय में भमुदाय के जीवन के लिए भाषायक प्रदाय भीर सेवाएँ बभाए रखने के लिए ऐसा करना भावश्यक भीर संगीचीन है;

श्रीर यतः तिमलनाडु राज्य में जनता के लिए विद्युत्त ऊर्जा के प्रदाय ग्रयवा इप प्रकार के प्रदाय के प्रयोजन के लिए विद्युत्त कर्जा के उत्पादन, संचयन या प्रेषण (जिसमें तिमलनाडु राज्य में नेवेली लिग्नाइट कारपोरेशन लिमिटेड, नेवेली से सम्बद्ध जनता को विद्युत्त कर्जा के प्रदाय या ऐसे प्रदाय के प्रयोजन के लिए विद्युत्त कर्जा के उत्पादन, संचयन या प्रेषण से सम्बन्धित संकर्म शामिल हैं) से सम्बद्ध सेवाग्रों में कीई हुइताल समुदाय के जीवन के लिए गावश्यक प्रदाय ग्रीर सेवाएं बनाए रखने पर प्रतिकृत प्रभाव डालेगी, उक्त सेवाग्रों में हुइतालें रोकना ग्रावश्यक ग्रीर समीचीन हैं;

भतः, भव, भारत रक्षा श्रौर श्रान्तरिक सुरक्षा नियम, 1971 के नियम 118 द्वारा श्रदश शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त सेवाभों में किसी श्रौद्योगिक विवाद से संबंधित किसी हड़ताल को 12 जूग, 1976 से छः मास की श्रवधि के लिए इतिविद्य करती है।

> [सं॰ एस॰ 42011/5/76-डी 1/ए] टी॰ एस॰ शंकरन, संयुक्त सचिव।